मूल्य 1 रु.
वर्ष: 15 - अंक : 14, मुंबई, सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

# दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI™ VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

# शादी समारोह में फूड पॉइजनिंग

## 600 लोग बीमार, 8 वर्षीय बालक की मौत, 17 की हालत गंभीर

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** विवाह में भोजन करने से 600 लोगों को विषबाधा हुई है। इस घटना में एक बालक की मौत हो गई और 17 लोगों की हालत गंभीर है। छत्रपति संभाजीनगर के कन्नड तहसील के अंबाला-ठाकुरवाडी की यह घटना है। अंबाला, कन्नड तालुका छत्रपति संभाजीनगर में ठाकर समुदाय के आठ जोड़ों का सामूहिक विवाह आयोजित किया गया था। इस बीच, शादी में शामिल होने आए विभिन्न गांवों के करीब 500 से 600 लोग फूड पॉइजनिंग से पीड़ित हो गए हैं। इस घटना में सुरेश माधे नामक 8 वर्षीय बालक की दुर्भाग्यवश मृत्यु हो गई। फूड पॉइजनिंग से पीड़ित मरीजों का इलाज छत्रपति संभाजीनगर सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है, जबकि अन्य मरीजों का इलाज करंजखेड़ा सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में किया जा रहा है। शादी समारोह के बाद लोगों को अचानक उल्टी और चक्कर आने लगे। इसके चलते मरीजों को क्षेत्र के निजी व सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जिसके पश्चात शादी के खाने से लोगों के फूड पॉइजनिंग होने का पता चला।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

### स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया

26 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से शादी में खाना खाने वाले करीब 500 से 600 लोगों को उल्टी, दस्त, चक्कर और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। शादी के बाद वे बीमार महसूस करने लगे और घर चले गए। इसलिए उन्हें जहां भी थे, स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# पाकिस्तानी न्यूज चैनलों पर भारत ने लगाया बैन

## शोएब अख्तर-आरजू काजमी का यूट्यूब चैनल भी बंद

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ लगातार एक्शन लिए जा रहे हैं। अब भारत सरकार ने गृह मंत्रालय की सिफारिशों के बाद पाकिस्तान के कई यूट्यूब चैनलों पर पाबंदी लगा दी है। इन चैनलों में पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर और आरजू काजमी जैसे कई बड़े यूट्यूब चैनल भी शामिल हैं। साथ ही कई प्रमुख मीडिया हाउस के यूट्यूब चैनलों पर भी भारत में रोक लगा दी गई है। आतंकवादियों को उग्रवादी कहे जाने पर बीबीसी को पत्र भेजा गया है। गृह मंत्रालय की सिफारिशों के बाद भारत सरकार ने जम्मू और कश्मीर में पिछले हफ्ते 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकवादी घटना के बाद भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, झूठे और गलत सूचना प्रसारित करने के लिए पाकिस्तान के कई यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

# नेहा सिंह राठौर पर दर्ज हुई एफआईआर

## पहलगाम हमले को लेकर जारी किया था वीडियो

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** सोशल मीडिया पर मशहूर लोकगायिका नेहा सिंह राठौर एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। लखनऊ के हजरतगंज थाने में नेहा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स में आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, जिससे राष्ट्रीय एकता को ठेस पहुंचाने और धर्म तथा जाति के आधार पर समुदायों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की गई। यह एफआईआर कवि अभय प्रताप सिंह उर्फ अभय सिंह निर्भीक की ओर से दर्ज कराई गई है। एफआईआर के अनुसार, नेहा ने अपने ट्विटर हैंडल से कई विवादित पोस्ट किए, जिनसे समाज में अस्थिरता फैलाने और निर्दोष लोगों की शहादत पर सवाल खड़े करने की कोशिश की गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

# मुंबई में बनेगी पहली जल मेट्रो परियोजना

## कोच्चि करेगा मदद, नितेश राणे ने दी जानकारी

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र के मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे ने कहा कि केरल के कोच्चि जल मेट्रो को मुंबई में मेट्रो सेवा के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यानी डीपीआर पेश करने को कहा गया है। राणे ने बताया कि इस संबंध में डीपीआर इस माह के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को मुंबई में लागू करने के लिए केंद्र सरकार के साथ 50-50 प्रतिशत की भागीदारी पर एक विशेष निकाय का गठन किया जाएगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

### स्टेशन के लिए 21 प्रस्तावित जगह

उन्होंने बताया कि वैतरणा नदी, वसई, ठाणे, मनोरी और पनवेल और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के पास स्टेशन के लिए 21 प्रस्तावित जगह हैं। परियोजना के पहले चरण में जल मेट्रो होगी, जबकि दूसरे चरण में रो-रो यानी रोल ऑन-रोल ऑफ सेवा होगी। मंत्री नितेश राणे ने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल में कहा था कि नवी मुंबई हवाई अड्डा देश का पहला ऐसा हवाई अड्डा होगा, जहां जल टैक्सी सेवा होगी।

## हमारी बात

### 'आर-पार' का सवाल

**भारत इस नतीजे पर है कि पहलगाम हमले को पाकिस्तान के संरक्षण में अंजाम दिया गया। इसलिए इस रास्ते से पाकिस्तान को हटने पर मजबूर करने से पहले रुख नरम ना किया जाए। यह भारत की राष्ट्रीय शक्ति की परीक्षा है।**

पहलगाम हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को सख्त पैगाम देने के कदम उठाए हैं। मगर उनका असर तभी होगा, जब उनके जरिए आर-पार का परिणाम हासिल किया जाए। तात्पर्य यह कि चूंकि भारतीय जांचकर्ता इस नतीजे पर हैं कि आतंकवादी हमले को पाकिस्तान के संरक्षण में अंजाम दिया गया, तो उचित यह होगा कि इस रास्ते से पाकिस्तान को हटने पर मजबूर करने से पहले रुख नरम ना किया जाए। इस रूप में यह भारत की राष्ट्रीय शक्ति एवं संकल्प की परीक्षा है। अतीत के अनुभवों से स्पष्ट है कि प्रतीकात्मक कार्रवाइयों से भारत विरोधी आतंकवादी ढांचा खत्म नहीं किया जा सका। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हमले के बावजूद यह ढांचा बरकरार रहा और हर कुछ अंतराल पर भारत का खून बहाता रहा है, तो अब जरूरत उससे आगे बढ़ने की है। ठोस परिणाम हासिल करने के लिए जरूरी होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के दबाव में ना आए। अब तक की प्रतिक्रियाओं से साफ है कि अमेरिका ने फिलहाल इस मामले से खुद को अलग रखने का फैसला किया है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का यह कहना कि दोनों देश उनके करीबी हैं और वे 'इस मामले को खुद हल कर लेंगे', उनके प्रशासन की अंतरराष्ट्रीय विवादों में ना उलझने की नीति के अनुरूप है। अन्य हलकों से भी भारत को अधिक समर्थन मिलने की आशा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहलगाम संबंधी प्रस्ताव को अपने हक में नरम बनवा लेने में पाकिस्तान कामयाब रहा। इसमें उसे चीन का साथ मिला। मगर हैरतअंगेज यह है कि पश्चिमी देशों और रूस ने भी पाकिस्तान का नाम लेकर निंदा या भारत की जांच से सहयोग करने की बात को प्रस्ताव से हटाने का विरोध नहीं किया। ईरान, सऊदी अरब, और मिस्र मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं, ताकि तनाव नियंत्रित हो सके। ये सारी बातें संकेत हैं कि भारत को अपनी राष्ट्रीय शक्ति पर ही भरोसा करना होगा। अच्छी बात है कि इस बारे में राष्ट्रीय राजनीति में पूरी आम सहमति दिखी है। इसलिए केंद्र को अब पाकिस्तान सामने राष्ट्रीय शक्ति के पूर्ण प्रदर्शन के लिए बेहिचक आगे बढ़ना चाहिए।

# बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने 'क्लाइमेटसेफ' पेश किया

**मुंबई।** भारत की प्रमुख निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने 'क्लाइमेटसेफ' नामक एक नया बीमा प्रोडक्ट लॉन्च किया है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, यह प्रोडक्ट उन लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है जो इसके प्रभावों से सबसे ज्यादा जद में आते हैं। यह बीमा विशेष रूप से खुदरा ग्राहकों, ऑफिस जाने वालों, ऑटो/टैक्सी चालकों, खुदरा दुकान मालिकों, डिलीवरी एजेंटों, घरेलू सेवा देने वाले प्रोफेशनल, गिग वर्कर्स, घरों में रहने वालों और कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिन्हें ज्यादा गर्मी, ठंडी लहरों और भारी बारिश जैसी जलवायु घटनाओं के कारण इनकम में कमी या खर्चों में वृद्धि का सामना करना पड़ता है।

क्लाइमेटसेफ इंश्योरेंस में उन स्थितियों को कवर किया गया है जिनमें अत्यधिक गर्मी के कारण बढ़े हुए बिजली बिल, यात्रा में अप्रत्याशित खर्च, खराब मौसम के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी से बिक्री में गिरावट, बाढ़ के कारण सप्लाई चेन में देरी, लंबे समय तक बारिश से होने वाले रिसाव, भारी बारिश के कारण दुर्घटनाएं, गंभीर मौसम के कारण डेली वेज वर्कर्स के इनकम में नुकसान, बाढ़ और गर्मी की लहरों से घरेलू सामानों की क्षति, और खराब मौसम के कारण प्रोग्राम का कैन्सल हो जाना शामिल हैं। क्लाइमेटसेफ एक नया और आसान बीमा प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहक साल में कई बार खरीद सकते हैं। इसमें क्लेम बिना किसी ज्यादा सूचना और कम से कम डॉक्युमेंट्स के साथ ऑटोमैटिक सात दिनों के भीतर निपटा दिए जाते हैं। यह बीमा प्रोडक्ट वास्तविक समय के मौसम डेटा के आधार पर प्रीमियम और कवरेज प्रदान करता है। ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार जोखिम स्थान, जोखिम अवधि (1 दिन से 30 दिन तक), मौसम जोखिम (अत्यधिक बारिश, कम तापमान, उच्च तापमान) और बीमित राशि का चयन कर सकते हैं। यह बीमा कवर बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस की वेबसाइट, 'Caringly Yours' मोबाइल ऐप, और उनके अन्य डिस्ट्रिब्यूशन चैनलों से खरीदा जा सकता है। क्लाइमेटसेफ की घोषणा पर बोलते हुए बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, जलवायु परिवर्तन से हर किसी का सामना होता राहत है। बेशक यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को अक्सर मुश्किल भरे तरीकों से प्रभावित करता है। मौसम में उतार चढ़ाव के कारण फ्लाइट के कैन्सल होने से लेकर लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और दैनिक यात्राओं में देरी तक, और जलवायु से संबंधित घटनाओं का फाइनैन्शल और ईमोशनल प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। हम बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के लोग मानते हैं कि इससे निपटने के लिए निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है।

उन्होंने आगे कहा कि हमने हमारी कस्टमर-फर्स्ट के माइन्ड्सेट और नवाचार (innovation) की विरासत के साथ, क्लाइमेटसेफ पेश किया है, जो भारत में अपनी तरह की पहली जलवायु जोखिम सुरक्षा नीति (climate risk protection policy) है। यह प्रोडक्ट जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती अनिश्चितता से आजीविकाओं की रक्षा करता है। सिंघल ने बताया कि क्लाइमेटसेफ सिर्फ एक पॉलिसी नहीं है। बल्कि यह जलवायु की अनिश्चितता से हो सकन वाले वित्तीय नुकसानों से लोगों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता है। आज के चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाकर, हम लोगों को इस बदलती वास्तविकता के साथ लचीलापन और मानसिक शांति के साथ हैन्डल करने में सक्षम बना रहे हैं। क्लाइमेटसेफ इंश्योरेंस त्वरित वित्तीय राहत प्रदान करता है, क्योंकि यह पहले से तय मापदंडों के आधार पर ऑटो मैटिक पेमेंट कर बीमा कर्ता को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है, जिससे उनकी तात्कालिक जरूरतों को मैनेज करने में सहूलियत मिलती है। यह पारंपरिक बीमा की तुलना में अधिक किफायती है, क्योंकि इसमें प्रशासनिक लागतें (administrative costs) कम होती हैं। प्रक्रिया झंझट से मुक्त है, जो विभिन्न ग्राहक आवश्यकताओं के लिए इसे एक उत्कृष्ट विकल्प और अनोखा उत्पाद बनाती है।

# दुआ और तकदीर से हज नसीब होता है जाकिर कुरेशी

**मनावर।** प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट,परख साहित्य मंच, अखिल निमाड़ लोक परिषद, कौमी एकता कमेटी प्रेस क्लब बाकानेर द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी सामाजिक कार्यकर्ता प्रखर वक्ता, हरदिल अजीज जाकिर कुरेशी धरमपुरी परिवार के साथ पवित्र मक्का मदीना हज यात्रा पर जा रहे है, हाजियों का स्वागत सम्मान इस्तगबाल शहर काजी सैयद इकबाल अली,काजी सैयद हमीदुद्दीन, सैयद अखलाक अली सैयद रिजवान अली, आदिल खान, समीर खान, साहिल खान, सैयद हुसैन अली ने किया, जाकिर कुरेशी ने कहा दुआ और तकदीर से हज नसीब होता है, बंदे की कोशिश दोस्त रिश्तेदारों घर परिवार वाले की दुआएं भी अहम खास होती है, मै अपने आपको खुश नसीब भारतीय मानता हु सऊदी सरकार द्वारा इस वर्ष हाजियों का कोटा सीमित रखा फिर भी आप सबकी दुआओं से हज का नंबर आगया, मै देश में रहकर मस्जिद ओर सूफी संतों की दरगाह पर तो अमन चैन भाई चारे की दुआएं मांगता आया हु, अब सारे जहान के मालिक के घर मुकद्दस जगह मक्का,मदीना शरीफ मै भी सारे आलम देश दुनिया में अमन चेन भाई चारा कायम रहे दुआएं मांगूंगा ओर मदीने वालों को सलाम कहूंगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

# सद्भावना मंच शहडोल द्वारा पहलगाम में शहीद हुए लोगों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित कि गई

**शहडोल।** दिनांक 27 अप्रेल को शहडोल के गांधी चौक में पहलगाम में हुई आतंकी हमला के खिलाफ कड़ी आवाज बुलंद कि गई एवं मृतक परिवारों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित कि गई एवं उनके लिए ईश्वर से प्रार्थना कि गई और आंतकवाद मुरादाबाद पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए गए, एवं भारत सरकार से आतंक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने कि मांग कि गई, शाम 7 बजे रघुराज स्कुल से गांधी चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया एवं गांधी चौक में कैंडल जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कि गई इस मौके पर सभी धर्म समुदाय के लोग शामिल रहे, खास तौर से क्रिश्चन, सिख मुस्लिम एवं हिंदु भाईयों ने शिरकत किया, सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित किया पास्टर,एस

के आशावान कन्वीनर सद्भावना मंच शहडोल, मोहम्मद अहमद साहब को कन्वीनर सद्भावना मंच शहडोल, फादर जगन राय, क्रिस्टी अब्राहम प्रवक्ता सद्भावना मंच शहडोल, सै जियाउल इस्लाम, सदस्य सद्भावना मंच शहडोल, पास्टर अनील पोगरे जी, पास्टर जी पी मोगरे, रवि सिंह, जसवीर सिंह दुआ, समाज सेवी शेखर, देवेन्द्र श्रीवास्तव जी,मौलाना शमीम साहब, हाफिज हुसैन, मो अकरम, मो असलम सिद्दीकी, हाजी तारिक,हाजी इसरार, रियाज अंसारी, शानउल्ला खान, शकील अहमद, मो इरफान, अली अहमद अशर्फी, मो ईसहाक पुर्व पार्षद, पप्पू भाई पुर्व पार्षद मुस्तकीम सौदागर, मोहम्मद इकराम बाबु भाई, मौ शाहिद, मो इमरान आदि मौजूद रहे।

# पहलगाम हमला किसी एक धर्म को ना ठहराया जाए दोषी

**पहलगाम** में हुए आतंकी हमले ने पूरे भारतीयों को झकझोर कर रख दिया। निश्चित ही यह हमला एक निंदनीय कार्य रहा, इस हमले में लगभग 26 निर्दोष मासूम लोगों ने अपनी जान गवाई।वही इस हमले के बाद कई राजनीतिक दलों ने इस हमले की निंदा के बजाय अपनी राजनीतिक रोटियां सेकनी शुरू कर दी आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी रहा इस हमले के पीछे सिर्फ एक धर्म विशेष को टारगेट किया गया। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता किसी एक धर्म को इसके पीछे जोड़ना अनुचित है। मोहम्मद इकबाल ने अपनी पंक्तियों में लिखी थी कि मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना वे एक कश्मीरी वंश के कवि और दार्शनिक थे, जिन्हें पाकिस्तान के आध्यात्मिक पिता के रूप में माना जाता है। दुनिया के किसी भी धार्मिक ग्रंथो में हिंसा को उचित नहीं माना गया है। इस हमले के बाद खासकर मुसलमान को घृणा से देखा जा रहा है जगह-जगह धार्मिक उन्माद देखने को मिल रहा है। अगर हमलावर मुसलमान थे तो लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने वालों में मुसलमान की ही संख्या ज्यादा रही, फिर मुसलमान से भेदभाव क्यों किया जा रहा है। अगर भारतीयों का शोषण किसी शासन काल में हुआ तो वह ब्रिटिश काल था,लेकिन हम उन अंग्रेजों के प्रति अपनी गुस्सा जाहिर नहीं करते। मुस्लिम शासक शाहजहां के शासनकाल को मुगल वास्तुकला का स्वर्ण युग कहा जाता है,फिर भी आज हम मुसलमान को आतंकवाद से जोड़ते हैं,जो कि न्याय उचित नहीं है। सरकार को इस हमले की निंदा करते हुए सर्व दलीय बैठक बुलानी चाहिए,तथा आतंकवाद के खिलाफ एक कठोर कदम उठाना चाहिए ताकि भविष्य में इस तरीके की कोई घटना ना हो सके।

# जेल में बिगड़ी वाल्मिक कराड की तबीयत, चल रही ट्रिटमेंट, कराया जा सकता है अस्पताल में भर्ती

**मुंबई।** पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड की जेल में तबीयत बिगड़ गई और उसका इलाज जारी है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी साझा की। अधिकारी ने अधिक जानकरी देते हुए बताया कि बीड जेल में बंद कराड ने शुक्रवार शाम स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायत की है। अधिकारी ने जानकारी दि कि शनिवार को रक्त में शर्करा की मात्रा कम होने और बोलने में असमर्थ होने की वजह से जेल चिकित्सकों ने उसकी जांच की।

उन्होंने बताया कि कराड का इलाज जेल के अंदर ही किया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता है। हालांकी चिकित्सा में सिटी स्कैन में सबकुछ नॉर्मल पाया गया है लेकिन बाकी का इलाज जारी है। बीड में सरकारी अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा, परामर्श के अनुसार, कराड के खून की जांच की गई है। उसे फिलहाल अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया है। महाराष्ट्र के बीड जिले के मसाजोग गांव के सरपंच देशमुख की पिछले वर्ष नौ दिसंबर को अगवा कर हत्या कर दी गई थी। कराड उन 8 लोगों में शामिल है, जिन्हें अब तक इस मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है और सभी पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम यानी मकोका के तहत मामला दर्ज है। बता दें कि महाराष्ट्र में सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड ने बीड की एक अदालत में एक आवेदन दायर कर खुद को आरोपमुक्त करने का आग्रह किया था। उसने दावा किया कि उसके खिलाफ कोई प्राथमिक सबूत नहीं है। अदालत ने मामले की जांच कर रहे राज्य सीआईडी से आवेदन पर जवाब मांगा है। सीआईडी ही मामले की जांच कर रही है। किसी मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद आरोपी को तब आरोप मुक्त किया जा सकता है, जब अदालत की राय हो कि उसके खिलाफ प्रथम दृष्टा अपराध नहीं बनता है। फिर आरोपी को मुकदमे का सामना करने की जरूरत नहीं होती है। संतोष देशमुख हत्याकांड के जोर पकड़ने पर वाल्मिक कराड ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

## (पृष्ठ 1 का समाचार)

### शादी समारोह में फूड पॉइजनिंग

शादी समारोह के बाद अचानक सभी मेहमानों को उल्टी और चक्कर आने लगे। इसके चलते मरीजों को इलाज के लिए क्षेत्र के निजी और सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कई की हालत गंभीर है। अंबाला में उस समय हड़कंप मच गया जब पता चला कि उन्हें जहर दिया गया है। नासिक, जलगांव, निरगुडी, पिंपरी, नासिक, जलगांव के 32 ठाकरवाडियों और कलंकी, महादेवखोरा, तंदुलवाड़ी, घुसुर, निमडोंगरी, शिपघाट, कोलवाड़ी, खोलापुर, धामदोह, ठाकुरवाड़ी, कन्नड़ तालुका और निरगुडी के 30 गांवों के मेहमान शादी में शामिल हुए थे और भोजन का आनंद लिया था। इस बीच, शनिवार को करंजखेड़ और नागापुर के स्वास्थ्य केंद्रों और निजी अस्पतालों में 155 मरीजों को भर्ती कराया गया। करंजखेड़ के स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान एक बच्चे सुरेश माधे की मौत हो गई। जबकि भागाबाई बुंधा मेंगल, गंगूबाई बुंधा माधे, रख्माबाई लक्ष्मण माथे, वनिता तुकाराम मेंगल, कालूबाई मनोज मेंगल, आदित्य तुकाराम मेगल, गायत्री गुलाब माधे, संदीप माधे और 17 अन्य, जिनकी हालत गंभीर थी, को आगे के इलाज के लिए छत्रपति संभाजीनगर के घाटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 8 साल के बच्चे सुरेश गुलाब माधे की मौत हो गई।

### मुंबई में बनेगी पहली जल मेट्रो परियोजना

राणे ने बताया कि मुंबई 7 द्वीपों से बना है, लेकिन जलमार्गों का पहले कभी पूरी क्षमता से उपयोग नहीं किया गया। राणे ने इस बात पर जोर देते हुए बताया कि इस तरह की पहल से सड़कों और उपनगरीय रेल सेवाओं पर बोझ कम होगा। राणे ने विश्वास जताया कि जल मेट्रो परियोजना से शहरी परिवहन में सुधार होगा और देश की वित्तीय राजधानी में पर्यटन को बढ़ावा भी मिलेगा। कोच्चि जल मेट्रो महाराष्ट्र सरकार की सहायता कर रही है। इसके तहत, बैटरी से चलने वाली नौकाएं मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के विभिन्न हिस्सों को जोड़ेगी। मंत्री ने कहा कि हवाई अड्डे के पास एक जल मेट्रो टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा। अगले कुछ दिनों में सिडको, महाराष्ट्र सागरी मंडल (एमएमबी) और राज्य पत्तन मंत्रालय की एक बैठक होगी और एक डीपीआर तैयार की जाएगी। जिसके माध्यम से कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा।

### पाकिस्तानी न्यूज चैनलों पर भारत ने लगाया बैन

पाकिस्तानी चैनलों पर रोक लगाने को लेकर मंत्रालय से जुड़े अधिकारी का कहना है कि भारत के खिलाफ भड़काऊ, सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री और गलत सूचना प्रसारित करने के कारण पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल ब्लॉक किए गए हैं। पाकिस्तान के जिन 16 यूट्यूब चैनलों पर रोक लगाई गई है, इसमें शोएब अख्तर के चैनल के अलावा वहां के कई बड़े मीडिया हाउस के यूट्यूब चैनल भी शामिल हैं। डॉन न्यूज, समा टीवी, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, रफ्तार टीवी, द पाकिस्तान रेफरेंस, जियो न्यूज, समा स्पोर्ट्स और उजैर क्रिकेट प्रमुख हैं। भारत सरकार की ओर से पाकिस्तान के जिन 16 यूट्यूब चैनलों पर पाबंदी लगाई गई है, कुल मिलाकर इनके पास 63.08 मिलियन यानी 6.3 करोड़ से अधिक सबस्क्राइबर्स हैं। इसमें से सबसे अधिक सबस्क्राइबर्स जियो न्यूज के यूट्यूब चैनल जियो न्यूज के पास है। इसके कुल 18.1 मिलियन यानी 1।8 करोड़ सबस्क्राइबर्स हैं। इसी तरह एआरवाई न्यूज के करीब 14.6 मिलयन यानी 1.4 करोड़ से अधिक सबस्क्राइबर्स हैं। इसके बाद समा न्यूज के भी करीब 12.7 मिलियन (1.2 करोड़ से अधिक) सबस्क्राइबर्स हैं। इस बीच समाचार एजेंसी अनुसार, भारत सरकार ने बीबीसी को भी आतंकवादी को उग्रवादी; कहे जाने पर पत्र लिखा है। सरकार ने बीबीसी को आतंकवादियों को उग्रवादी बताने वाली उसकी रिपोर्ट पर औपचारिक पत्र भेजकर इस पर जवाब मांगा है।

### नेहा सिंह राठौर पर दर्ज हुई एफआईआर

चौंकाने वाली बात यह है कि नेहा सिंह राठौर के ट्वीट्स पाकिस्तान में तेजी से वायरल हो रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया और वहां के नेता उनके बयानों का इस्तेमाल भारत विरोधी प्रचार के लिए कर रहे हैं। इस पहलू ने मामले को और गंभीर बना दिया है। नेहा सिंह राठौर ने पहलगाम आतंकी हमले को सरकार की भूल करार दिया। उन्होंने कहा कि इस घटना का राजनीतिक इस्तेमाल बिहार चुनावों में किया जाएगा। उनके इस बयान ने देशभर में हंगामा मचा दिया है। जहां आम जनता और राजनीतिक दल पाकिस्तान के खिलाफ एकजुट होकर सरकार का समर्थन कर रहे हैं, वहीं नेहा जैसे बयान सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव पर रख रहे नजर

# पहलगाम हमले के बाद लिया बड़ा फैसला: ब्रिक्स की अहम बैठक में शामिल नहीं होंगे विदेश मंत्री और एनएसए डोभाल

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ने के कारण विदेश मंत्री एस जयशंकर एवं एनएसए अजीत डोभाल अगले हफ्ते होने वाली ब्रिक्स एनएसए और विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल नहीं होंगे। इस बैठक 30 अप्रैल को ब्राजील में होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस बैठक में अजीत डोभाल की जगह डिप्टी एनएसए पवन कपूर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ब्रिक्स एनएसए बैठक में सीमा पार आतंकवाद के साथ-साथ दूसरे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर भी चर्चा होगी। सूत्रों ने बताया कि सीमा पार आतंकवाद, आतंकियों को मिलने वाली फंडिंग और उनके नेटवर्क को खत्म करना इस बैठक के सबसे अहम मुद्दों में शामिल रहेगा।

पहलगाम के बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए इस आतंकी हमले में ज्यादातर पर्यटकों सहित 26 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले के बाद से सुरक्षाबलों ने आतंकियों और उनके ठिकानों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा के नजरिए से ये फैसले लिए गए हैं।ब्राजील में होने वाली ब्रिक्स बैठक में 11 सदस्य देशों के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल होंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जुलाई में होने वाले ब्रिक्स सम्मलेन के लिए एजेंडा तैयार करना और उसे अंतिम रूप देना है। बैठकों में एआई, क्लाइमेट फाइनेंस, क्रॉस बॉर्डर पेमेंट्स इनीशियेटिव और मल्टीलेटरल संस्थानों में सुधार जैसे मामलों पर चर्चा की जाएगी।

**ब्रिक्स की बैठक 30 अप्रैल को ब्राजील में होगी**

### विदेश मंत्री और एनएसए क्यों नहीं जा रहे ब्राजील?

विदेश मंत्रियों की बैठक में यूक्रेन और पश्चिम एशिया जैसी अंतरराष्ट्रीय समस्याओं पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। एनएसए और विदेश मंत्री ने इस बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला इसलिए किया है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं की वे निगरानी कर रहे हैं।

### कैसे करते थे आतंकियों की मदद

माना जा रहा है कि इन्होंने पिछले कुछ सालों में दक्षिण कश्मीर में कई हमलों में शामिल पाकिस्तानी आतंकियों की मदद की है। ये उन्हें जरूरी सामान मुहैया कराते थे। जंगलों में रास्ता दिखाते थे और यहां तक कि पाकिस्तान से हथियारों की खेप भी मंगवाते थे। जिनका इस्तेमाल आतंकी हमलों में किया जाता था। एक अधिकारी ने कहा कि हमारे पास इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि ये लोग पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों के मददगार थे और उन्होंने उनके लिए जरूरी सामान का इंतजाम किया था। इस हमले में 4-5 आतंकी शामिल थे। इनमें से कम से कम दो पाकिस्तानी और दो स्थानीय कश्मीरी थे। हम इन 15 हिरासत में लिए गए ओवरग्राउंड वर्कर्स से और जानकारी निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

### पहलगाम अटैक पर विवादित पोस्ट 7 राज्यों में 28 गिरफ्तार

*पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ के विधायक, एक पत्रकार, एक वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल हैं। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में गिरफ्तारियों हुई हैं। सबसे अधिक 16 गिरफ्तारी असम से की गई है। पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम असम की विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ से हैं।*

### बिलावल की निकली हेकड़ी, बोले- बातचीत से समाधान होगा

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी के बयान के बाद भारत में एक बड़ा उबाल आ गया है। भुट्टो के बयान पर भारत ने कड़ा ऐतराज जताया है और इसकी कड़ी निंदा की है। अब भुट्टो अपने बयान को लेकर बैकफुट पर आ गए हैं। उन्होंने दोनों देशों से विवादों के समाधान के लिए बातचीत का सहारा लेने का आग्रह किया है। एक निजी चैनल को दिए गए साक्षात्कार में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान और भारत को आपस में बातचीत कर के समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने भारत के साथ बातचीत करने की पेशकश की थी, लेकिन भारत ने इसको अस्वीकार कर दिया। गौरतलब है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पीपीपी नेता ने सिंध प्रांत में एक रैली के दौरान कहा था कि सिंधु हमारा है और हमेशा हमारा रहेगा या तो हमारा पानी इसमें बहेगा या उनका (भारतीयों का) खून बहेगा।

दहशत

परमाणु हमले की दी धमकी

### हमले के डर से पाकिस्तानी रेल मंत्री ने दी गीदड़भभकी

पाकिस्तान के रेल मंत्री मोहम्मद हनीफ अब्बासी ने खुलेआम भारत को परमाणु हमले की धमकी देकर तनाव बढ़ा दिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उन्होंने चेतावनी दी है कि घोरी, शाहीन और गजनवी मिसाइलों के साथ-साथ 130 परमाणु हथियार को केवल भारत के लिए रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइलें हमारे 130 परमाणु हथियार चौकों में सजाने के लिए नहीं है। वो भारत के लिए रखे गए हैं। अब्बासी की खुलेआम भारत पर परमाणु हमले की धमकी देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। अब्बासी ने आगे चेतावनी दी है कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति बंद कर देता है तो उसे युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि इस्लामाबाद उकसाए जाने पर हमला करने के लिए तैयार है। पाकिस्तानी मंत्री ने कहा, अगर वे हमें पानी की आपूर्ति बंद कर देते हैं, तो उन्हें युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए।

# 7 सफाई कर्मचारियों की मौत व 4 गंभीर घायल

मुंबई हलचल / नूंह

जिले में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर इब्राहिमबास गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सफाई कार्य में जुटे कर्मचारियों को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में 6 सफाई कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सफाई करने वाले 11 कर्मचारियों में 10 महिलाएं और एक पुरुष था। जिनमें से 6 महिलाओं की मौके पर मौत हो गई और 5 लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां एक और सफाईकर्मी ने दम तोड़ दिया। हादसे में कुल 7 लोगों की मौत हो गई है। चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

### एक्सप्रेसवे पर सफाई कार्य किया जा रहा था

हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ, जब करीब 11 सफाई कर्मचारी एक्सप्रेसवे पर सफाई कार्य कर रहे थे। अचानक आई तेज रफ्तार पिकअप ने इन कर्मचारियों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 कर्मचारियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल पांच कर्मचारियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक और कर्मचारी की मौत हो गई। घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है।

### शवों के टुकड़े हो गए

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। देखते ही देखते सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई। एंबुलेंस, रोड सुरक्षा एजेंसी के वाहन और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। हादसे की भयावहता ऐसी थी कि आसपास के लोग स्तब्ध रह गए। कई शवों के टुकड़े अलग-अलग हो गए। लोग इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त कर रहे हैं और मृतकों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग भी उठाई है।

# सर्चिंग में नक्सलियों की बड़ी गुफा मिली इसमें छिप सकते हैं एक हजार

## गुफा के अंदर एक बड़ा सा मैदान और पानी भी मिला

मुंबई हलचल / बीजापुर

जिले के उसूर थाना क्षेत्र के करेंगुट्टा की पहाड़ी में नक्सलियों के खिलाफ पिछले पांच दिनों से चल रहे अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन कगार में शामिल जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंच गए है। जवान जिस गुफा में पहुंचे हैं। उसके अंदर एक बड़ा सा मैदान और पानी मिला है।

बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर स्थित करेंगट्टा की पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़े ऑपरेशन में जवानों को सफलता मिली है। सर्चिंग के दौरान एक गुफा मिली है, जहां एक साथ एक हजार से ज्यादा लोग आराम से रह सकते हैं। पांच दिनों की मशक्कत और 45 डिग्री की भीषण गर्मी के बीच जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंचने में सफल हो गए हैं।

जवान जिस गुफा तक पहुंचे है। वहां का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में गुफा के अंदर जवान पहुंचे हुए है। काफी अंधेरा है। टार्च की रौशनी से जवान धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे है। कुछ जवान आपस मे बात करते हुए कहे रहे हैं कि यहां एक बड़ा सा मैदान है और अंदर पानी भी है। वीडियो में नक्सलियों के मौजूदगी के निशान दिखाई दे रहे हैं। इससे साफ समझा जा सकता है कि नक्सली यहां मौजूद थे और जवानों के पहुंचने से पहले नक्सलियों ने अपना ठिकाना बदल दिया।

### गुफा में आराम करने लायक वातावरण

गुफा के भीतर जवानों का तलाशी अभियान चल रहा है। नक्सलियों की मौजूदगी नहीं मिली पर साफ हो गया कि यहां नक्सली सुरक्षित ठिकाना बनाकर रह रहे थे। भीषण गर्मी और 45 डिग्री तापमान के बीच पांच दिनों के कड़ी मशक्कत के बाद आखिर जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंचने में कामयाब हो गए। हालांकि जवानों के वहां पहुंचने से पहले ही नक्सलियों ने अपना ठिकाना बदल दिया था। इस गुफा के अंदर पानी से लेकर आराम करने लायक वातावरण है। ऑक्सीजन की भी कमी नहीं है। गुफा के अंदर ही एक बहुत बड़ा मैदान भी मौजूद है।

### हमें जानकारी नहीं; डीआईजी

इस मामले में दक्षिण बस्तर यानी दंतेवाड़ा के डीआईजी कमलोचन कश्यप ने कहा कि हमें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। इस मामले में हम कुछ नहीं कह सकते हैं। मौके पर नक्सल ऑपरेशन जारी है।

**17 नवंबर 2024 को उसके पास एक लिंक आया, थाईलैंड का एक टिकट भी भेजा दिया**

# नौकरी के बहाने थाईलैंड बुलाया, बंधक बनाकर म्यांमार में कराई थी साइबर ठगी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मंसूरपुर के जावेद के पास 17 नवंबर 2024 को टेलीग्राम से एक लिंक आया, जिसमें टाइपिंग का काम करने पर विदेश में डॉलरों में कमाई का झांसा दिया गया था। इसके बाद उसे बुलाकर जबरन साइबर ठगी के काम में लगा दिया गया। पहली बार एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें साइबर ठगों ने एक युवक को अपने जाल में फंसा कर विदेश में काम दिलाने के नाम पर बंधक बना लिया। साइबर ठगों ने पीड़ित युवक को म्यांमार में ठगी के धंधे में लगाया।

पीड़ित युवक को म्यांमार की सेना ने बंधन मुक्त कराया। इसके बाद पीड़ित अपने वतन वापस आ सका। सेना ने पीड़ित युवक सहित 600 युवकों को बंधन मुक्त कराया। मंसूरपुर थाना क्षेत्र निवासी जावेद को नौकरी की तलाश थी। 17 नवंबर 2024 को उसके पास एक लिंक आया, जिसमें विदेश में टाइपिंग का काम करने के लिए लिखा गया था। लिंक टेलीग्राम के माध्यम से मिला था। उसे बताया गया कि कर्मचारी के आने -जाने का खर्च भी कंपनी वहन करेगी। उसे अगले ही दिन थाईलैंड का एक टिकट भी भेज दिया गया। पीड़ित युवक 20 नवंबर को थाईलैंड चला गया। थाईलैंड पहुंचने पर उसे वहां मिले लोगों ने म्यांमार भेज दिया। वहां पर उसे टाइपिंग का काम नहीं दिया गया। बल्कि क्रिप्टो करेंसी में निवेश कराने के धोखाधड़ी के काम में लगा दिया। युवक ने घर वापस भेजने के लिए कहा तो उसे बंधक बना लिया गया। घर भेजने के नाम पर उसे रुपये जमा कराने को कहा गया।

### आग में 800 झुग्गियां जलकर हुई खाक

# रोहिणी की झुग्गी बस्ती में आग लगने से दो बच्चों की मौत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

रोहिणी सेक्टर 17 में पांच एकड़ में फैली झुग्गी बस्ती में आग लगने से दो बच्चों की मौत हो गई। आग में करीब 800 झुग्गियां जलकर खाक हुई है। दमकल विभाग की टीम ने करीब तीन घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आकर पांच लोग घायल भी हुये हैं।

रोहिणी जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि घटनास्थल से दो बच्चों के जले हुए शव बरामद किए गए। मृतकों की उम्र ढाई और तीन साल के आसपास बताई गई है। डीएफएस के अनुसार आग की सूचना सुबह करीब 11:55 बजे मिली थी।

दमकल विभाग की 20 गाड़ियां श्रीनिकेतन अपार्टमेंट के पास पहुंची। दोपहर करीब दो बजे आग पर कुछ हद तक काबू पाया गया तो सर्च ऑपरेशन में दो बच्चों के शव बरामद हुये। आग पर पूरी तरह से तीन बजकर 20 मिनट पर काबू पाया गया। हालांकि बाद में भी कूलिंग का कार्य जारी रहा। आग लगने से करीब पांच एकड़ में फैली 800 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक हो गई। जब अग्निशमन कर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे तो आसमान में धुएं का घना गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। घायल पांच लोगों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। डीएफएस के अनुसार सबसे पहले एक झुग्गी में आग लगी थी और इसने तुरंत पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

## संकरे रास्ते से आग बुझाने में हुई देरी

दमकल अधिकारी ने बताया कि संकरे रास्ते के कारण अग्निशमन कर्मियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दमकल प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र के सामने चारदीवारी वाला एक आवासीय परिसर था जिससे वहां पहुंचना बेहद मुश्किल था। दमकल गाड़ियों को एक के पीछे एक खड़ा करना पड़ा, जिससे अभियान में देरी हुई। पुलिस आग लगने के वास्तविक कारण की जांच कर रही है।

## झुग्गियों में आग पर आतिशी ने साधा निशाना

रोहिणी की झुग्गियों में भयंकर आग लगने पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रविवार दोपहर 1 बजे रोहिणी की झुग्गियों में भयंकर आग लगी हुई थी। उस आग में 2 बच्चों की जान चली गई। और उस समय दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी क्या कर रही थीं? वह "मन की बात" सुन रही थीं। पूरा दिन बीत गया - रोहिणी की झुग्गियों में जाना तो छोड़िए, मुख्यमंत्री को इस पर ट्वीट करने का टाइम भी नहीं मिला।

# 'मैं पाकिस्तान की बेटी थी, अब भारत की बहू हूं, मुझे यहीं रहने दिया जाए...'

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर ने एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है कि उन्हें भारत में ही रहने दिया जाए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किए जाने के फैसले के बीच सीमा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर भावुक अपील की है। एजेंसी के अनुसार, वीडियो में सीमा कहती हैं कि मैं पाकिस्तान की बेटी थी, लेकिन अब भारत की बहू हूं। मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। मैं मोदी जी और योगी जी से निवेदन करती हूं कि मुझे भारत में रहने दें। सीमा ने यह भी दावा किया है कि उन्होंने अपने प्रेमी सचिन मीणा से शादी करने के बाद हिंदू धर्म अपना लिया है। बता दें कि सीमा हैदर साल 2023 में उस समय चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने पाकिस्तान के कराची स्थित अपने घर को छोड़कर नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में एंट्री की थी। सीमा अपने चार बच्चों के साथ भारत आई थीं और उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में रह रहे सचिन मीणा के साथ रहने लगी थीं। दोनों की मुलाकात साल 2019 में ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध गहरे हो गए। जब सीमा की भारत में मौजूदगी की सूचना मिली, तो जुलाई 2023 में भारतीय एजेंसियों ने उन्हें हिरासत में लिया था। हालांकि, बाद में सीमा और सचिन की शादी और सीमा के हिंदू धर्म अपनाने के दावे के बाद मामला कुछ शांत हुआ। सीमा हैदर के वकील एपी सिंह ने दावा किया है कि सीमा अब पाकिस्तानी नागरिक नहीं रहीं। उन्होंने कहा कि सीमा ने भारतीय नागरिक सचिन मीणा से शादी की है और हाल ही में उनकी एक बेटी का जन्म भी हुआ है, जिसका नाम भारती मीणा रखा गया है। वकील के अनुसार, सीमा की नागरिकता का संबंध अब उनके भारतीय पति से जुड़ गया है, इसलिए उन पर असर नहीं होना चाहिए। सीमा ने अपनी पहचान भारतीय बहू के तौर पर पेश करते हुए सरकार से दया की अपील की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# अगर आप भी है इन 5 प्रॉब्लम के शिकार तो कभी न लें बेल का जूस

बेल के जूस में कैल्शियम, फॉस्फोरस, फाइबर, प्रोटीन, आयरन आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं इसलिए इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इससे शरीर में पूरा दिन ठंडक और एनर्जी बनी रहती है। इसके फायदे तो सभी जानते ही हैं लेकिन इसका सेवन कुछ लोगों के लिए हानिकारक भी हो सकता है। आज हम आपको बताएंगे किन-किन लोगों को नुकसान पहुंचाता है बेल का जूस।

**1. डायबिटीज रोगियों के लिए**
बेल का फल ज्यादा मीठा होने के कारण डायबिटीज के रोगियों के लिए हानिकारक होता है और बाजार से मिलने वाले बेल के जूस में तो काफी मात्रा में चीनी होती है। इसलिए डायबिटीज रोगियों को इसका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

**2. गर्भवती महिलाओं के लिए**
गर्भवती महिलाओं को इसका जूस पीना हानिकारक है क्योंकि इससे गर्भपात होने का खतरा होता है। इसके अलावा स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी यह नुकसानदेह है इससे उनके दूध कम बनता है।

**3. सर्जरी के दौरान हानिकारक**
जिन लोगों की सर्जरी होनी हो या हो फिर चुकी हो, उन्हें कुछ सप्ताह इसका सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसके सेवन से ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। जिससे रोगी को नुकसान हो सकता है।

**4. थायरॉइड के रोगियों को**
थायरॉइड की मेडिसिन लेने वाले रोगियों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर कोई थायरॉइड की दवा ले रहा है तो उसे इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

**5. कब्ज के रोगी को**
जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है उन्हें बेल का जूस नही लेना चाहिए। आम लोगों को भी एक बार में एक गिलास पीना चाहिए। इसको ज्यादा मात्रा में पीने से पेट में दर्द, सूजन और पेट फूलने की समस्या भी हो सकती है।

## दूध के साथ खाएंगे ये चीजें तो आएगी दिक्कतें

दूध कैल्शियम का सबसे अच्छा स्त्रोत है। छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी के लिए दूध पीना लाभकारी है। इससे हड्डियां मजबूत और शरीर को पोषण भी मिलता है लेकिन कुछ लोग दूध के साथ किसी भी चीज का सेवन कर लेते हैं, जिससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। जिसका जानकारी न होने के कारण हम अपनी ही हानि पहुंचाते हैं। आइए जाने दूध के साथ किन चीजों को खाने से परहेज करना चाहिए।

**1. मछली**
मछली और दूध दोनो ही सेहत के लिए बहुत अच्छे हैं लेकिन इसका सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। इससे स्किन इंफैक्शन हो सकती है। मछली और दूध का एक साथ सेवन करने से स्किन पर सफेद दाग आने शुरू हो जाते हैं, जिसे फुलवहरी कहते हैं। अगली बार मछली खाने के बाद दूध पीने का मन है तो इसका किसी एक चीज का सेवन न करें।

**2. प्याज**
प्याज का सलाद खा रहे हैं तो इसके साथ दूध पीने से भी सेहत को नुकसान हो सकता है। इससे खुजली,दाद,एलर्जी आदि की समस्या हो सकता है। प्याज खाने के 3-4 घंटे बाद दूध न पीएं।

**3. उड़द दाल**
उड़द दाल खाने में बहुत टेस्टी होती है लेकिन इसके साथ दूध पीने से सेहत संबंधी कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं।

**4. नींबू**
दूध और नींबू का एक साथ सेवन भी बहुत सी परेशानियों का कारण बन सकता है। नींबू पानी पीने के एक दम बाद दूध न पीएं।

**5. दही**
दही दूध से भी ज्यादा गुणकारी होता है लेकिन दही और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहे। दही खाने के बाद दूध पीते हैं तो इससे पेट में एसिड बनना शुरू हो जाता है।

**6. नमक और करेला**
करेले की सब्जी खा रहे हैं तो इसके साथ भी दूध न पीएं। इससे सेहत संबंधी बहुत सी परेशानियां आ सकती है। इसके अलावा नमकीन चीज के साथ भी दूध का सेवन नहीं करना चाहिए।

## तेज धूप में भी स्किन रहेंगी खिली-खिली

गर्मियों में तेज धूप के कारण स्किन प्रॉब्लम होने लगती है। सूर्य की गर्मी और वायु प्रदूषण कारण स्किन ड्राइ और काली पड़ जाती है। लड़कियां इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का सहारा लेती है। जिसका बाद में फायदा कम और नुकसान ज्यादा झेलना पड़ता है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान है और खोई हुई खूबसरती, रंगत को दोबारा लाना चाहते हैं तो इन घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें। जिसका कोई आपकी स्किन पर साइड इफैक्ट भी नहीं होगा।

- तेज धूप के कारण हुए नुकसान से राहत पाने के लिए शाम को कुछ समय चेहरे पर बर्फ के टुकड़े रखें।
- झुलसी स्किन ठीक करने के लिए चेहरे पर टमाटर पेस्ट लगाएं।
- सनबर्न के असर खत्म करने के लिए गुलाब जल में तरबूज का रस मिलाएं और इसे 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं।
- चेहरे का निखार बरकरार रखने के लिए 1 चम्मच शहद में 2 चम्मच नींबू का रस मिलाएं और फिर इसे 30 मिनट लगा रहने दें। इसे बाद में ताजे पानी से धो लें।
- ऑयली स्किन से झुलसी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए खीरे को कद्दूकस करके उसमें दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे 20 मिनट चेहरे पर लगाएं और बाद में ताजे पानी से धोएं।
- झुलसी स्किन को कोमल करने और निखारने के लिए इस पर कॉटनवूल के साथ ठंड़ा दूध लगाएं।
- इसके अलावा मुट्ठी भर तिल पीस लें और इसे आधे कप पानी में 2 घंटे के लिए रख दें। अब इसे छान लें और इसके पानी से चेहरे को साफ करें।

## दिन में मेकअप करने के बाद रात को ऐसे करें स्किन केयर

दिन हो या रात लड़कियां हर समय अपनी ब्यूटी को लेकर चिंता में रहती हैं। फेस केयर की बात हो तो बिना मेकअप के लड़कियां घर से बाहर भी नहीं जाती लेकिन सारा दिन हैवी मेकअप से कई तरह की स्किन प्रॉब्लम भी होनी शुरू हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि रात से समय चेहरे को अच्छी तरह से साफ करके सोएं। बहुत कम लोग जानते हैं कि दिन की बजाय रात को स्किन की केयर करने से ज्यादा फायदा मिलता है। आइए जानें रात को सोने से पहले चेहरे पर क्या लगाना चाहिए।

**1. टोनर से करें फेस क्लीन**
मेकअप साफ करने के बाद भी स्किन पर धूल-मिट्टी चिपकी रहती है।इसके लिए चेहरे को टोनर से साफ कर लें। टोनर से त्वचा का पीएच स्तर बैलेंस रहता है जो बैक्टीरिया से बचाव रखने के साथ स्किन को भी पूरी तरह से क्लीन करने का काम करता है। इसके साथ ही मेकअप के कारण बंद पोर्स भी खुल जाते हैं। कैमिक्ल युक्त टोनर इस्तेमाल करने की बजाय खीरे का टोनर बना कर भी इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

**2. आई क्रीम लगाएं**
सोने से पहले आंखों के आसपास आई क्रीम लगाना न भूलें। इससे आंखों के आसपास झुर्रियां भी कम होनी शुरू हो जाती हैं लेकिन इसे लगाने से पहले यह बात जांच लें कि यह क्रीन बढ़िया क्वालिटी की हो।

**3. पैरों की भी करें केयर**
सारा दिन घर से बाहर रहने के बाद चेहरे ही नहीं बल्कि पैरों को भी खास केयर की जरूरत पड़ती है। रात को सोने से पहले पैरों को धो कर इस पर पेट्रोलियम जेली लगाएं। सुबह आपके पैरे कोमल और साफ हो जाएंगे।

**4. दांत भी करें साफ**
खूबसूरत दांत भी ब्यूटी का हिस्सा है। इससे पर्सनेलिटी पर भी खास असर दिखता है। सारा दिन हम कुछ न कुछ खाते रहते हैं, जिससे रात तक दांतों में बदबू आनी शुरू हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि रात को सोने से पहले दांतों को जरूर साफ करें। नमक में सरसों का तेल मिला कर मंजन करने से भी मुंह के कीटाणु खत्म हो जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## 'हर रोज खुद को कमरे में बंद कर लेती थी'

**नोरा फतेही** ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने स्ट्रगल के दिनों पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि वे दूसरी लड़कियों की तरह पार्टी नहीं करती थीं बल्कि रोज खुद को एक रूम में बंद करके अपनी स्कि ल्स पर काम करती थीं। नोरा ने बताया कि उन्होंने अपनी बेसिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कई तरह के काम किए। अपनी डांसिंग स्किल्स को और बेहतर बनाने के लिए उन्होंने हुक्का बार में भी काम किया है। नोरा बोलीं- मुझे जो भी मौके मिले एकदम आखिरी वक्त पर मिले और मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं हर मौके के लिए पहले से ही तैयार थी। नोरा ने कहा, मैं घर से बाहर नहीं जाती थी। बाकी लड़कियों की तरह पार्टी नहीं करती थी। खुद को हर रोज एक कमरे में बंद करके अपनी हिंदी पर काम करती थी और टीवी देखकर डांस प्रैक्टिस करती थी। इसके चलते मैंने अपने भाई की शादी, उसका बर्थडे और बहुत कुछ मिस किया। कई लोग मुझसे पूछा करते थे- क्या तुम अगली कटरीना कैफ बनना चाहती हो?

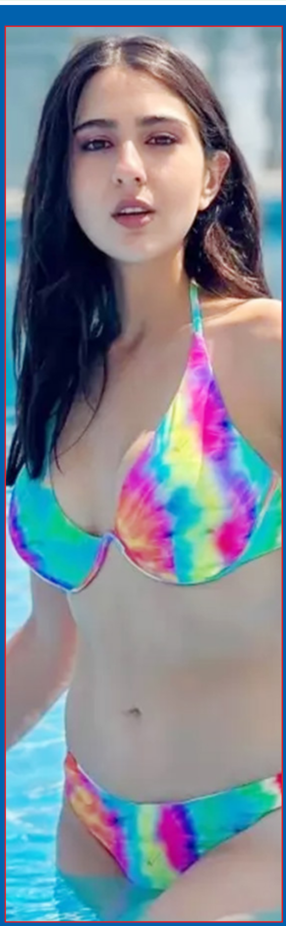

## 'एक दिन के लिए 400 रुपये क्यों खर्च करना'

**सारा अली खान** भले ही बड़ी स्टार हैं, लेकिन वे आज भी एक-एक पैसे बचाने में यकीन रखती हैं। सारा का आईफा अवॉर्ड्स के दौरान का एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में सारा कहती हैं कि वे काफी कंजूस हैं। सारा ने कहा कि वे अबुधाबी आईं तो उन्हें रोमिंग लेने की सलाह मिली। हालांकि रोमिंग के चार्जेस बहुत महंगे थे। सारा ने कहा कि अबुधाबी में रोमिंग का चार्ज 400 रुपए डेली के हिसाब से लग रहा था। उन्होंने सोचा कि एक दिन के लिए इतने पैसे क्यों खर्च किए जाएं। इसलिए उन्होंने अपने हेयरड्रेसर से इंटरनेट लेकर काम चलाया। सारा ने कहा- जब मैं अबुधाबी आई तो डायरेक्टर दिनेश विजान का मेरे पास एक वॉयस नोट आया। उसमें उन्होंने कहा कि 400 रुपए में रोमिंग आती है, इसे ले लेना। मैंने सोचा कि सिर्फ एक दिन के लिए इतना चार्जेस क्यों देना। मैंने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि रोमिंग के कितने चार्जेस लगते हैं। किसी ने कहा कि 10 दिन के लिए 3000 रुपए चुकाने होंगे। मैंने सोचा कि मैं तो यहां सिर्फ एक दिन के लिए आई हूं, फिर दस दिन के लिए पैसे क्यों देना। सारा ने आगे कहा कि उन्होंने रिचार्ज कराने की जगह अपने हेयरड्रेसर से हॉटस्पॉट लेकर काम चला लिया।

## नसीरुद्दीन शाह बोले- फिल्म अवॉर्ड को बनाया वॉशरूम का हैंडल

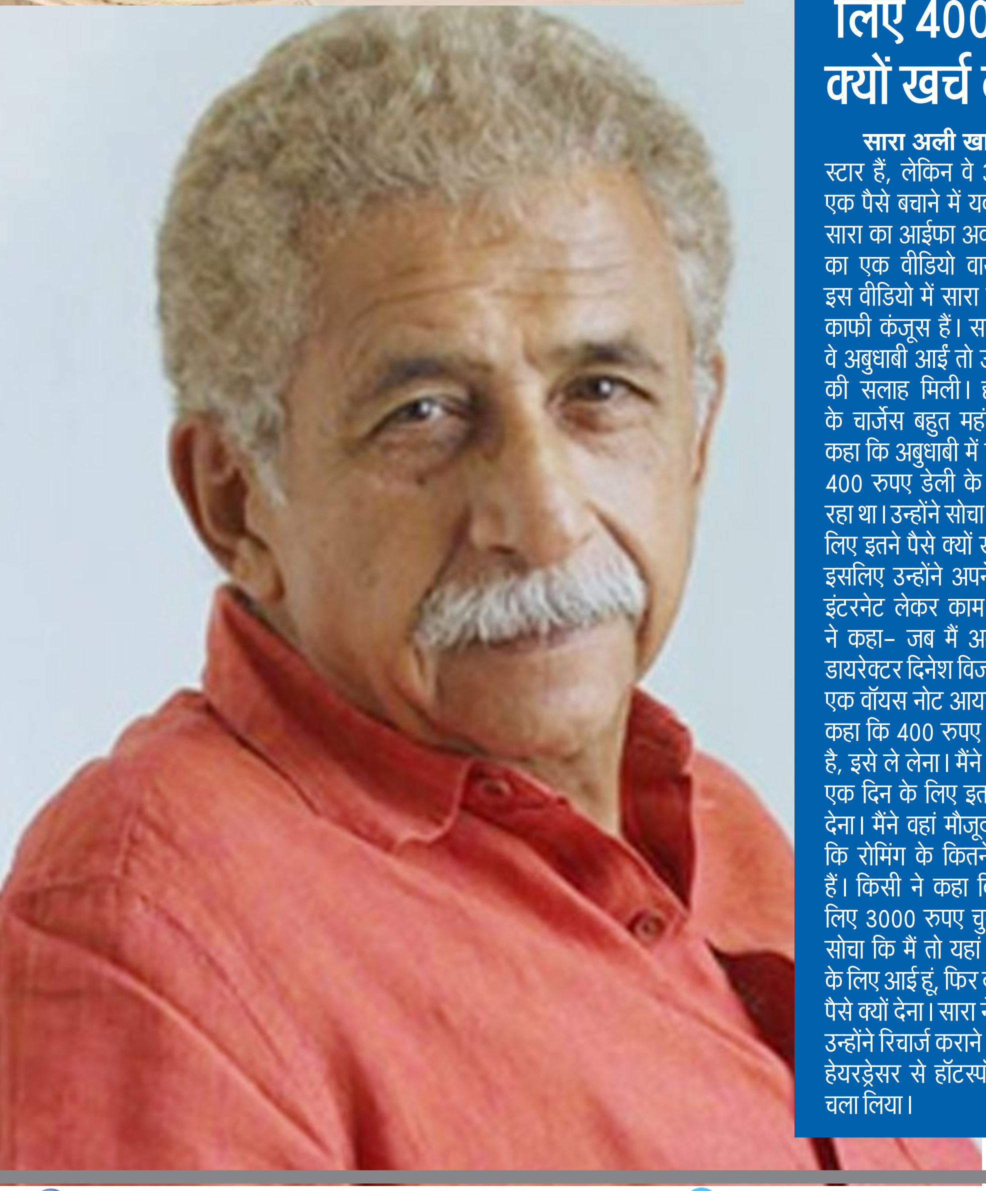

एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड में मिलने वाले अवॉर्ड्स पर तंज कसा है। उन्होंने कहा- मेरे लिए इन अवॉर्ड्स का अब कोई मतलब नहीं है। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में मिलने वाली ट्रॉफी को मैं वॉशरूम के हैंडल के तौर पर यूज करता हूं। जब कोई मेरे घर के वॉशरूम में जाएगा तो उसे दरवाजे पर फिल्मफेयर की दो ट्रॉफियां हैंडल के रूप में लटकी मिलेंगी। नसीरुद्दीन शाह ने मुंबई में एक फार्महाउस बनवाया है। वहां के दरवाजों पर जो हैंडल लगे हुए हैं, वे सभी उन्हें मिलने वाली ट्रॉफियों से बनाए गए हैं। शाह ने कहा- अब मेरे लिए इन अवॉर्ड्स का कोई मतलब नहीं है। पहले इन अवॉर्ड्स को जीतने के बाद खुशी मिलती थी। धीरे-धीरे करके ऐसे बहुत सारे अवॉर्ड्स हो गए। कुछ वक्त बाद एहसास हुआ कि ये अवॉर्ड्स लॉबिंग का नतीजा हैं। उन लोगों को अवॉर्ड्स मिलने स्टार्ट हुए जो इसके लायक ही नहीं हैं। इसके बाद ही मेरा इन अवॉर्ड्स से नाता टूटने लगा। शाह ने आगे कहा- मेरे पिता मुझे बेवकूफ समझते थे। उन्हें लगता था कि मैं जिंदगी में कुछ नहीं कर पाऊंगा। वे नहीं चाहते थे कि मैं एक्टिंग में करियर बनाऊं। जब मुझे सरकार की तरफ से पद्मश्री और पद्म भूषण मिला तो मुझे अपने पिता की याद आई। मैं राष्ट्रपति भवन में इन पुरस्कारों को लेने के लिए जा रहा था, तो बार-बार पिता की वो बातें जेहन में आ रही थीं। मैं बार-बार आसमान की तरफ देख कर पिता से यही कहता कि क्या आपको ये लम्हा दिखाई दे रहा है। खैर वे जहां होंगे उन्हें खुशी ही हुई होगी। पद्म अवॉर्ड्स मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी, लेकिन इन फिल्मी अवॉर्ड्स का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है।